

16/9/14

वादि्या एव वकील प्रतिवादी संख्या 1 उपस्थित। वकील प्रतिवादी  
व वादि्या। अर्जी संख्या 3 से 8 व 10 से 19 का तलबाना सम्भव  
भद्र करने के लिए समय चाहते हैं। उन्हे दिनांक 5/04/16 को  
तीन दिन में तलबाना पेश करने की दिवापत दी गई थी लेकिन  
पुयात इक्कर दिये जाके पर भी तलबाना सम्भव पेश नही किया  
है। अतः वाद OR2 जादी के तहत खारिज किया जाण है।  
मिसल फौजदारी शुमार होकर नम्बर से कम हो। वाद दफ्तर दाखिल हो।

उपखण्ड अधिकारी  
मसूदा (अजमेर)

